श्री कबीर विचार माला

मूल्यः	मासिक 1/-
एक प्रति	वार्षिक 10/-
कुल पृष्ठ	4

Registred with the Registrar of Newspaper for India
R. No. 47437/88 Regd. DL (DG-11)/8034/2015-17

Date of Publication 15th Every Months,
Date of Posting 1st & 2nd Every Months, Weight 15 gms.

सेवा में,

____

____

____

If Undelivered Please return to : पत्रव्यवहार के लिए :

ओम प्रकाश कबीर पंथी
श्री कबीर मन्दिर
ईदगाह रोड़, अहाता किदारा, दिल्ली-6 फोन 23546841, 9811358511
Web. : www.kabirmandirdelhi.org
E-mail : kabirmandirdelhi@gmail.com
: opkabirpanthi@yahoo.in

नवम्बर माह के कार्यक्रम

चौदस रविवार 13-11-2016

आखरी रविवार का सतसंग 27-11-2016

प्रकाशक मुद्रक सम्पादक श्री कुन्दन लाल द्वारा श्री कबीर मन्दिर ईदगाह रोड़ दिल्ली के लिए फाईन प्रिटिंग प्रेस ए-3, प्रताप नगर, दिल्ली-6 से मुद्रित मालिक श्री कबीर सतधर्म प्रर्चारणी सभा ईदगाह रोड़, दिल्ली

दानी सज्जन दान मनीऑर्डर चैक ड्राफ्ट इत्यादि मंदिर के पते पर ही भेजे या केनरा बैंक के किसी भी ब्रांच से A/C No. 2010101015045 of Shri Kabir Satdharm Pracharni Sabha A/C with Canara Bank East Patel Nagar Branch, New Delhi-8 में जमा करें।

दीवान श्री नन्द लाल जी	फोन नं. : 9810625260
प्रधान श्री वेद प्रकाश जी	फोन नं. : 9990570038
सचिव श्री नन्द लाल जी	फोन नं. : 9210476589
केशियर श्री ओमप्रकाश जी	फोन नं. : 9811358511

अगर आप इस पत्रिका के सदस्य बनना चाहते है तो अपना पूरा नाम पता पिन कोड तथा फोन नं. सहित मन्दिर के पते पर भेजे। जिन सज्जनों को पत्रिका नही मिलती कृपया दोबारा से अपना नाम पता पिन कोड सहित मंदिर के पते पर भेजे या सम्पर्क करें 9811358511

सत्गुरु कबीर बन्दीछोड़

श्री कबीर सत् धर्म प्रचारिणी सभा (रजि०)

श्री कबीर मन्दिर

ईदगाह रोड़ अहाता किदारा दिल्ली-6 फोन-23546841

मूल्यः	मासिक 1/-
एक प्रति	वार्षिक 10/-

सतसंग सेवा सुमिरन

श्री कबीर विचार माला

वर्ष	अंक	माह
30	10	अक्टूबर 2016

अक्टूबर माह के कार्यक्रम

नित्य की आरती प्रातः 8 बजे सांय 6 बजे

15-10-2016 शनिवार चौदस सांय 7.00 बजे से 9.00 बजे तक

30-10-2016 माह का आखरी रविवार सतसंग 11 से 1 बजे दोपहर तक

भजन

सज धजकर कर जिस दिन मौत की, शहजादी आयेगी,
ना सोना काम आएगा, ना चाँदी काम आएगी।।1।।
छोटा सा है तू, बडे अरमान है तेरे,
मिट्टी का तू सोने के सामान है तेरे,
मिट्टी काया मिट्टी में जिस दिन समाएगी,
ना सोना काम आएगा, ना चाँदी काम आएगी।।2।।
पंछी है तू पर ये पिजरा तोड के उड़जा,
माया महल के सारे बंधन छोड़ के उड़ जा,
मौत दिल की धड़कन में जब गुनगुनाएगी,
ना सोना काम आएगा, ना चाँदी काम आएगी।।3।।
धन दौलत से खाली होंगे इक दिन तेरे हाथ,
अंत समय भगवान भजन जाएगा तेरे साथ,
उस दिन तुझको (सद्गुरू) की वाणी याद आएगी,
ना सोना काम आएगा, ना चाँदी काम आएगी।।4।।
अच्छे किए है कर्म तूने पाया मानव तन,
पाप में अब क्यूँ डूबा है ये पापी चंचल मन,
पाप की नैया ये तुझको जिस दिन डुबाएगी,
ना सोना काम आएगा, ना चाँदी काम आएगी।
सजधज कर जिस दिन मौत की शहजादी जाएगी,
ना सोना काम आएगा, ना चाँदी काम आएगी।